जय गणेश जय गजवदन - भजन

जय गणेश जय गजवदन - भजन
जय गणेश जय गजवदन,
कृपा स िंधु भगवान ।
मू क वाहन दीजजये,
ज्ञान बुद्धध वरदान ....1 ....

सशव निंदन गौरी तनय,
प्रथम पूज्य गणराज ।
कल अमिंगल को हरो,
पूरण हो हर काज ....2 ....

हाथ जोड़ ववनती करूँ,
देवों के रताज ।
भव बाधा ब दूर हो,
ऋद्धध स द्धध गणराज ....3 ....

मिंगलकारी देव तुम,
मिंगल करो गणेश ।
जग विंदन तुम्हरे करें,
काटो बका क्लेश ....4 ....

धगररजा पुत्र गणेश की,
बोलो जय-जयकार ।
गणपतत मेरे देव तुम,
देवों के रकार ....5 ....

मू क वाहन ाजते,

एक दन्त भगवान ।
नमन करूँगणदेव जी,
आओ बुद्धध तनधान ....6 ....

प्रथम पुज्य वन्दन करूँ,
महादेव केलाल ।

ऋद्धध स द्धध दाता तुम्हीिं,
तुम हो दीनदयाल ....7 ....

देवों के रताज हो,
ज्ञान वान गुणवान ।
गणपतत बप्पा मोररया,
लीला बड़ी महान ....8 ....

तीन लोक चौदह भुवन,
तेरी जय-जयकार ।
हे गणपतत गणदेवता,
हर लो दुुःख अपार ....9 ....

ुर नर मुतन ब हैं भजे,
तुमको हे सशव लाल ।
प्रमुददत माता पावती,
जय हो दीन दयाल ....10 ....

कैलाशी सशव ुत ुनो,
करो भक्त कल्याण ।
ब जन द्वारे आ खड़ा,

आज बचालो प्राण ....11 ....

महादेव केलाल तुम,
भी झुकाते शीष ।
हम तनधवन लाचार हैं,
दो हमको आशीष ....12 ....

गणनायक हे शिंभु ुत,
ववघ्न हरण गणराज ।
कल क्लेश िंताप को,
त्वररत समटा दो आज ....13 ....

वक्रतुिंड शुधच शुिंड है,

ततलक त्रत्रपुिंडी भाल ।
छत्रब लखख ुर नर आत्मा,
सशव गौरी केलाल ....14 ....

उर मखणमाला शोभते,
रत्न मुकुट स र ाज ।
मोदक हाथ कुठार है,
ुन्दर मुख गणराज ....15 ....

पीताम्बर तन पर जे,
चरण पादुका धार ।
धतन सशव ललना ुख भवन,
मेरे तारणहार ....16 ....

ऋद्धध स द्धध पतत शुभ दन,
मदहमा असमट अपार ।
जन्म ववधचत्र चररत्र है,
मू क वाहन द्वार ....17 ....

एक रदन गज केबदन,
काया रप ववशाल ।
पल में हरते दुुःख को,
हे प्रभु दीन दयाल ....18 ....

माता गौरा केतनय,
ज्ञान बुद्धध भण्डार ।
गहे शरण प्रभु राखखये,
हम हैं दीन अपार ....19 ....

सशवा शिंभु केलाल तुम,
करुणा बड़े तनधान ।
ववपदा में िंार है,
हरो कष्ट भगवान ....20 ....

Jai Ganesh Jai Gajvadan - Bhajan

Jai Ganesh Jai Gajvadan,
Kripa Sindhu Bhagwan ।
Mushak Vahan Deejiye,
Gyan Buddhi Vardan .... 1 ....

Shiv Nandan Gauri Tanay,
Pratham Pujya Ganraj ।
Sakal Amangal Ko Haro,
Pooran Ho Har Kaaj .... 2 ....

Hath Jod Vinti Karoon,
Devon Ke Sartaj ।
Bhav Baadha Sab Door Ho,
Riddhi Siddhi Ganraaj .... 3 ....

Mangalkari Dev Tum,
Mangal Karo Ganesh ।
Jag Vandan Tumhare Karen,
Kaato Sabka Klesh .... 4 ....

Girija Putra Ganesh Ki,
Bolo Jai-jaikar ।
Ganpati Mere Dev Tum,
Devon Ke Sarkar .... 5 ....

Moosak Wahan Sajate,
Ek Dant Bhagwan ।
Naman Karoon Gandev Ji,
Aao Buddhi Nidhaan .... 6 ....

Pratham Pujya Vandan Karoon,
Mahadev Ke Lal ।
Riddhi Siddhi Data Tumheen,
Tum Ho Deendayal .... 7 ....

Devon Ke Sartaaj Ho,
Gyan Vaan Gunvaan ।
Ganpati Bappa Moriya,
Leela Badi Mahan .... 8 ....

Teen Lok Chaudah Bhuvan,
Teri Jai-jaikar ।
Hey Ganpati Gandevata,
Har Lo Dukh Apaar .... 9 ....

Sur Nar Muni Sab Hain Bhaje,
Tumko Hey Shiv Laal ।
Pramudit Mata Parvati,
Jai Ho Deendayal .... 10 ....

Kailashi Shiv Sut Suno,
Karo Bhakt Kalyan ।
Sab Jan Dware Aa Khada,
Aaj Bachalo Pran .... 11 ....

Mahadev Ke Laal Tum,
Sabhi Jhukate Sheesh ।
Ham Nirdhan Laachaar Hain,
Do Humko Aashish .... 12 ....

Gannayak Hey Shambhu Sut,

Vighna Haran Ganraaj ।
Sakal Klesh Santaap Ko,
Twarit Mita Do Aaj .... 13 ....

Vakratund Shuchi Shund Hai,
Tilak Tripundi Bhaal ।
Chhabi Lakhi Sur Nar Aatma,
Shiv Gauri Ke Laal .... 14 ....

Ur Manimala Shobhate,
Ratn Mukut Sir Saaj ।
Modak Haath Kuthar Hai,
Sundar Mukh Ganraaj .... 15 ....

Peetambar Tan Par Saje,
Charan Paduka Dhaar ।
Dhani Shiv Lalna Sukh Bhawan,
Mere Taranhar .... 16 ....

Rddhi Siddhi Pati Shubh Sadan,
Mahima Amit Apaar ।
Janm Vichitra Charitra Hai,
Moosak Vahan Dwaar .... 17 ....

Ek Radan Gaj Ke Badan,
Kaya Roop Vishal ।
Pal Mein Harte Duhkh Ko,
Hey Prabhu Deendayal .... 18 ....

Mata Gaura Ke Tanay,
Gyan Buddhi Bhandar ।
Gahe Sharan Prabhu Raakhiye,
Hum Hain Deen Apaar .... 19 ....

Shiva Shambhu Ke Laal Tum,
Karuna Bade Nidhaan ।
Vipda Mein Sansar Hai,
Haro Kasht Bhagwan .... 20 ....